# एम.ए. हिंदी कार्यक्रम

## द्वितीय वर्ष के सत्रीय कार्य

## (जुलाई 2021 और जनवरी 2022 सत्रों के लिए)

*वैकल्पिक पाठ्यक्रम :*

मॉड्यूल '4' : मध्यकालीन कविता

एम.एच.डी – 21 : मीरा का विशेष अध्ययन

एम.एच.डी – 22 : कबीर का विशेष अध्ययन

एम.एच.डी – 23 : मध्यकालीन कविता–1

एम.एच.डी – 24 : मध्यकालीन कविता–2

# एम.एच.डी.-21 : मीरा का विशेष अध्ययन
## सत्रीय कार्य
### (सभी खंडों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.डी.–21
सत्रीय कार्य कोडः एम.एच.डी–21/टी.एम.ए/2021–2022
कुल अंक : 100

**1. निम्नलिखित पद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए :** **10× 3 = 30**

(क) पानी में मीन प्यासी, मोहे सुन सुन आवत हाँसी।
आत्मज्ञान बिन नर भटकत है, कहाँ मथुरा कहाँ कहाँ कासी।।
भवसागर सब हार भरा है, ढूंढत फिरत उदासी।
मीरां के प्रभु गिरधरनागर, सहज मिले अबिनासी।।

(ख) न भावै थारौ देसड़लो (जी) रूड़ो रूड़ो (टेर)
हरि की भगति करै नहिं कोई, लोग बसे सब कूड़ो ।।
माँग और पाटी उतार धरूंगी, ना पहिरूं कर चूडो ।।
मीरां हठीली कहे संतन सों, बर पायो छै मैं पूरो।।

(ग) जोगिया छाई रह्या परदेस। (टेर)
अब का बिछड्या फेर न मिलिया, बहोरि न दियो संदेस।।
या तन ऊपर भसम रमाऊँ, खार करूँ सिर केस।।
भगवाँ भेष धरूं तुम कारण, ढूँ ढूँ चारूं देस।।
मीरा के प्रभु गिरधरनागर जीवनि जनम अनेस।।

**2. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक का लगभग 500 शब्दों में) दीजिए :** **15× 3 = 45**

(i) मीरा के युग की आर्थिक, राजनीतिक एवं सांस्कृतिक स्थिति पर प्रकाश डालिए।
(ii) मध्यकालीन भारतीय भक्त कवयित्रियों का परिचय दीजिए।
(iii) मीरा की काव्यकला का विवेचन कीजिए।

**3. निम्नलिखित प्रत्येक विषय पर लगभग 100 शब्दों में टिप्पणी लिखिए :** **5× 5 = 25**

**(i)** हिंदी साहित्य के इतिहास ग्रंथों में मीरा
**(ii)** मीरा के काव्य पर लोक शैली का प्रभाव
**(iii)** मीरा के कृष्ण
**(iv)** प्रगतिशील आलोचना में मीरा
**(v)** मीरा की भक्ति में वृंदावन का महत्व